



अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मुख्यालय शांतिवन के मनमोहिनीवन और डायमण्ड हॉल में कार्यक्रम

यहां के सकारात्मक वातावरण से बहुत शांति मिलती है : मोतीराम



शांतिवन। ब्रह्माकुमारीज के मुख्यालय शांतिवन के मनमोहिनीवन और डायमण्ड हॉल में आयोजित कार्यक्रम में दस हजार लोगों ने भाग लिया। मनमोहिनीवन में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ योग प्रशिक्षक ब्र.कु. बाबू लाल भाई ने योग के विभिन्न आसन का अभ्यास कराते हुए प्रत्येक आसन से होने वाले लाभ के बारे में बताते हुए कहा कि योग से हम शरीर से जुड़ी हर समस्या का समाधान कर सकते हैं।

- यहां आकर शांति की अनुभूति होती है

मुख्य अतिथि रेवदर-आबू रोड विधायक मोतीराम कोली ने कहा कि जब भी मैं ब्रह्माकुमारीज के किसी कार्यक्रम में आता हूँ तो नई सकारात्मक ऊर्जा से भर जाता हूँ। यहां के सकारात्मक वातावरण से बहुत शांति मिलती है।

- 9000 ब्रह्माकुमारीज के देश-विदेश के सेवाकेंद्र, उपसेवाकेंद्रों पर मनाया गया योग दिवस

- 10000 लोगों ने मुख्यालय के कार्यक्रम में लिया भाग

- 172 देशों में दिया योग का संदेश

- 01 करोड़ लोगों ने लिया भाग

- 20000 लोगों ने दिल्ली के रेड फोर्ट में आयोजित कार्यक्रम में लिया भाग

- हर वर्ग, धर्म, संप्रदाय के लोगों ने लिया भाग, तन-मन को स्वस्थ रखने के बताए टिप्स

- स्वयं और समाज के लिए योग विषय पर हुआ आयोजन

- प्रधानमंत्री ने योग से लोगों को जोड़ा

कार्यकारी सचिव डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय भाई ने कहा कि प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत करके लोगों को योग से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा परमपिता परमात्मा शिव बाबा ने हम सभी को राजयोग मेडिटेशन सिखाया है। राजयोग के अभ्यास से आज लाखों भाई-बहनों अपने जीवन को सुख-शांतिपूर्ण और आनंदमय बना चुके हैं।

- राजयोग द्वारा कराई शांति की अनुभूति

मल्टीमीडिया निदेशक ब्र.कु. करुणा भाई ने कहा कि भारत की योग परंपरा को प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने पूरे विश्व को सिखाया है। आज पूरा विश्व राजयोग ध्यान का महत्व समझ रहा है। जयपुर सबजोन की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुषमा दीदी ने कहा कि यदि हमारा मन तंदुरुस्त और शक्तिशाली है तो जीवन की प्रत्येक समस्या पर विजय पा सकते हैं। आपने राजयोग के अभ्यास से सभी को गहन शांति की अनुभूति भी कराई। इस मौके पर वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. मोहन सिंघल भाई, पीआरओ ब्र.कु. कोमल भाई, ब्र.कु. रामश्लोक भाई, मेडिकल विंग के सचिव डॉ. बनारसी लाल, ब्र.कु. कविता दीदी, ब्र.कु. बिदेश्वरी भाई सहित हजारों लोग मौजूद रहे। संचालन आर.जे. ब्र.कु. श्रीनिधि भाई ने किया।



मन की शांति के लिए राजयोग मेडिटेशन के अलावा अन्य कोई उपाय नहीं : सविता दीदी

रायपुर-छ.ग.।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा साइंस कॉलेज मैदान में राज्य शासन द्वारा आयोजित समारोह में योग का अभ्यास किया गया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज संगठन से जुड़े हजारों भाई-बहनों ने राजयोग के माध्यम से शांति एवं पवित्रता के प्रकम्पन फैलाकर वायुमण्डल को शुद्ध और पवित्र बनाने में सहयोग दिया।

समारोह का शुभारम्भ छ.ग. के माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक राजेश मूणत और गुरु खुशवंत साहेब ने किया। योग आयोग के प्रशिक्षकों ने समारोह में

कि पूरे विश्व में लाखों लोग योग दिवस पर ब्रह्माकुमारीज संस्थान से जुड़े हुए हैं जो कि राजयोग को अपनाकर तनावमुक्त और शांतिमय जीवन जी रहे हैं। मन की शांति के लिए राजयोग मेडिटेशन के अलावा अन्य कोई दूसरा उपाय नहीं

● ब्रह्माकुमारीज संस्थान के हजारों भाई-बहनों ने साइंस कॉलेज मैदान में किया योग का अभ्यास...

● वायुमण्डल में पवित्रता एवं शांति के फैलाए प्रकम्पन...

● पूरे विश्व में लाखों लोग राजयोग अपनाकर तनाव मुक्त जीवन जी रहे...
- ब्र.कु. सविता दीदी

उपस्थित लोगों का मार्गदर्शन करते हुए शारीरिक स्वास्थ्य के लिए विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर रायपुर स्थित ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्रों की संचालिका ब्र.कु. सविता दीदी ने बताया

है। उन्होंने बताया कि योग से शरीर के समस्त अंगों तक ऑक्सीजन और खून को पहुंचाने में सहायता मिलती है। इसलिए योगासन शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक है। स्वस्थ रहने के लिए इसे अपनी दिनचर्या का अंग बना लेना चाहिए।

सद्भावना का बीजारोपण कर माँ जगदम्बा को दें श्रद्धांजलि : ब्र.कु. प्रेमलता

ब्रह्माकुमारीज की प्रथम मुख्य प्रशासिका जगदम्बा-सरस्वती (मम्मा) के 59वें स्मृति दिवस पर अर्पित किये श्रद्धासुमन



करें, यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। ब्रह्माकुमारीज की स्थानीय सह-संचालिका ब्र.कु. रमा बहन ने जगदम्बा माँ की जीवनी पर प्रकाश डाला और कहा कि उन्होंने सदा शिक्षाएं दी कि श्वासों का कोई भरोसा नहीं इसलिए इन्हें सफल करो। भूलों को कभी मत दोहराओ। बीती को बीती कर परमात्म स्मृति से पापों को दग्ध कर अपने संस्कारों को दिव्य, पवित्र व श्रेष्ठ बनाओ।

इस अवसर पर रोटरी क्लब मोहाली के प्रधान के.के.सेठ, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य प्रबंधक विपिन अग्रवाल, बेवरली एस्टेट के मालिक मनमोहन जी आदि ने भी अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये।

मोहाली-पंजाब। ब्रह्माकुमारीज के सुख शांति भवन फेज 7 में संस्थान की प्रथम मुख्य प्रशासिका माँ जगदम्बा-सरस्वती(मम्मा) के 59वें स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में लगभग 360 भाई-बहनों शामिल हुए और अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस अवसर पर सार्वजनिक सभा भी हुई जिसमें ब्रह्माकुमारीज के मोहाली-रोपड़ क्षेत्र के राजयोग केंद्रों की

संचालिका ब्र.कु. प्रेमलता बहन ने जगदम्बा माँ को त्याग, तपस्या व सेवा की त्रिवेणी बताया और कहा कि उन्होंने समूची मानवता के कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित कर उदाहरण प्रस्तुत किया। माँ सरस्वती में आत्मिक शक्ति, योगबल, दिव्यता, पवित्रता

व आध्यात्मिकता की चुम्बकीय ताकत थी जो लोगों को विकारों व विकर्मों की तपन से बचाकर उन्हें देवत्व की ओर अग्रसर कर देती थी। अतः हम जगदम्बा माँ के जीवन से शिक्षा धारण कर विश्व में शांति, प्रेम, सद्भावना, एकता, शुभ भावनाओं का बीजारोपण

ब्रह्माकुमारीज कर रहा विश्व में भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को फैलाने का सराहनीय कार्य

- केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव

■ वैश्विक संस्कृति प्रेम-शांति-सद्भावना अभियान का राज्य स्तरीय शुभारंभ

■ सांस्कृतिक कार्यक्रमों द्वारा प्रेम-शांति-सद्भावना को किया गया प्रदर्शित

■ कार्यक्रम में 1200 से भी अधिक लोगों ने की शिरकत

ओआरसी-गुरुग्राम। ब्रह्माकुमारीज संस्था विश्व में भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को फैलाने का सराहनीय कार्य कर रही है। ब्रह्माकुमारी बहनें विश्व के हर कोने में प्रेम-शांति-सद्भावना की प्रेरणा दे रही हैं। उक्त विचार भारत सरकार के केंद्रीय पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने ब्रह्माकुमारीज के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में 'वैश्विक प्रेम-शांति-सद्भावना' अभियान का राज्य स्तरीय शुभारंभ करते हुए व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि शांति वास्तव में मन को

दुःखों से निवृत्त करने का नाम है। शांति अंतर से आती है, बाहर से नहीं। नैतिक मूल्यों के अनुपालन से ही सच्ची शांति आती है। माननीय मंत्री ने कहा कि प्रेम-शांति-सद्भावना के भावों को कला एवं संस्कृति के माध्यम से सहजता से जगाया जा सकता है। ब्रह्माकुमारीज संस्था ये कार्य बखूबी कर रही है। करनाल से निफा के अध्यक्ष प्रीतपाल सिंह पन्नू ने कहा कि शांति की शुरुआत मन से होती है। शांति का अनुभव करने के लिए अहंकार और व्यर्थ की इच्छाओं



को समाप्त करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि निफा के सदस्य ब्रह्माकुमारीज के साथ मिलकर सहयोग के लिए तैयार हैं। ताकि बेहतर ढंग से मूल्यों के प्रति समाज के हर व्यक्ति को जागृत किया जाए। संस्था के कला एवं संस्कृति प्रभाग की

अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. चंद्रिका दीदी ने अभियान की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अभियान की शुरुआत अलग-अलग राज्य स्तर पर हो रही है। इसका प्रमुख उद्देश्य मानव को उसकी मूल संस्कृति प्रेम, शांति और सद्भावना का एहसास कराना

है। ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने कहा कि प्रेम प्रकृति, आत्मा और परमात्मा की वो भाषा है जो इनके बीच में बेहतर सामंजस्य स्थापित करती है। प्रेम का अर्थ है देना। जितना हम देने का लक्ष्य रखते हैं, उतना सम्बंधों में मधुरता बनी रहती है। एक-दूसरे के प्रति शुभ भावना रखना ही सद्भावना है। ब्र.कु. सुनैना बहन ने राजयोग के अभ्यास द्वारा गहन शांति की अनुभूति कराई। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज द्वारा एक गीत की भी लॉन्चिंग की गई, जिसे ब्र.कु. चांद बजाज ने गाया। संस्था के कला एवं संस्कृति प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. प्रेम बहन एवं ब्र.कु. पूनम बहन ने भी विचार रखे। ब्र.कु. भावना ने आभार व्यक्त किया। ब्र.कु. विधात्री, ब्र.कु. रचना एवं ब्र.कु. भानु ने मंच संचालन किया।